वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

2017–2018

राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था
चाचियावास, अजमेर

राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था, (चाचियावास) अजमेर

वर्ष 2017–18 में संस्था ने अपने गौरवमय 43 वर्ष पूर्ण किए है। अपने लक्ष्य व उद्देश्यों की पूर्ती के लिए संचालित विभिन्न कार्यक्रमों के अन्तर्गत वर्ष में पूर्ण किए गए कार्यों व गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण इस प्रतिवेदन के माध्यम से बिन्दुवार प्रस्तुत है।

शिक्षा एवं समावेश
(Education and Inclusion)

संस्था 1988 से अजमेर जिले में मानसिक विकलांग, ऑटिज्म, सेरेब्रल पॉल्सी एवं बहुविकलांग बच्चों के शिक्षण, प्रशिक्षण एवं पुनर्वसन के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। संस्था द्वारा अपने चार केन्द्रों के माध्यम से न केवल विशेष शिक्षा बल्कि सम्मिलित शिक्षा के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्य धारा में लाने का प्रयास कर रही है। साथ ही सामान्य बच्चों में दिव्यांगो की चुनौतियों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करते हुए विकलांग और सामान्य बच्चों के भेद कम करने का प्रयास किया जा रहा है।

संस्था द्वारा संचालित पॉच केन्द्रों के माध्यम से 1568 दिव्यांग व 99 सामान्य बालक–बालिकाओं को शिक्षा के साथ–साथ फिजियोथेरैपी, स्पीचथेरैपी, साइकोथेरैपी व अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराते हुए विभिन्न कार्यक्रमों व गतिविधियों से दिव्यांग बच्चों के व्यक्तिगत व सामाजिक विकास के लिए भी कार्य किया जा रहा है।

- **मीनू मनोविकास मन्दिर इक्लूसिव स्कूल, चाचियावास अजमेर**

मीनू स्कूल में लाभार्थी बच्चों का विवरण

क्र.सं.	विवरण	बालक	बालिका	योग
1	दिव्यांग	71	12	83
2	सामान्य	32	22	54
कुल योग		**103**	**34**	**137**

- **संजय इन्क्लूसिव स्कूल, ब्यावर**

क्र.सं.	विवरण	बालक	बालिका	योग
1	दिव्यांग	42	27	**69**
2	सामान्य	17	28	**45**
कुल योग		**59**	**55**	**114**

- **उम्मीद डे केयर सेन्टर, पुष्कर :–** 17 बालक व 5 बालिकाओं सहित कुल 22 दिव्यांग बच्चों को "उम्मीद" के माध्यम से सेवाएं दी जा रही है। पुष्कर कस्बे के अलावा आस–पास के ग्रामीण क्षेत्र के दिव्यांग बच्चे भी "उम्मीद" से लाभान्वित हो रहे है।

- **उड़ान डे केयर सेन्टर, रावतभाटा :–** न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से रावतभाटा क्षैत्र में विकलांगता के प्रति जागरूकता कार्यक्रमों व सर्वे कार्य के माध्यम से दिव्यांग बच्चों का चिन्हीकरण किया गया। चिन्हित बच्चों को विशेष शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्यु पुर्नवास सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से "उड़ान" डे केयर केन्द्र प्रारम्भ किया गया। वर्तमान में इस केन्द्र पर 31 बालकों व 11 बालिकाओं सहित कुल 42 दिव्यांगों को शिक्षण, प्रशिक्षण व पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है।
- **समुदाय आधारित पुनर्वास (सी.बी.आर.) कार्यक्रम :–** बच्चे जो संस्था द्वारा संचालित कन्द्रों तक नहीं पहूँच पाते है उनको सामुदायिक पुनर्वास कार्यक्रम (सी.बी.आर.) के माध्यम से बच्चों के घर जाकर अभिभावकों को प्रशिक्षित करते हुए लाभान्वित किया जा रहा है।

- **स्पर्श :–** बधिरांध बच्चों के लिए स्पर्श केन्द्र के द्वारा 5 बालक व 2 बालिकाओं को सेवाएं प्रदान की जा रही है।

सी.बी.आर. कार्यक्रम से लाभान्वित बच्चों की संख्या 2017–18

क्र.सं.	विवरण	बालक	बालिका	कुल बच्चे
1	पुष्कर	20	08	28
2	ब्यावर	116	67	183
3	अजमेर	98	57	155
4	उदयपुर	642	379	1021
कुल योग		**876**	**511**	**1387**

विभिन्न योजनाओं से बच्चों का जुड़ाव 2017–18

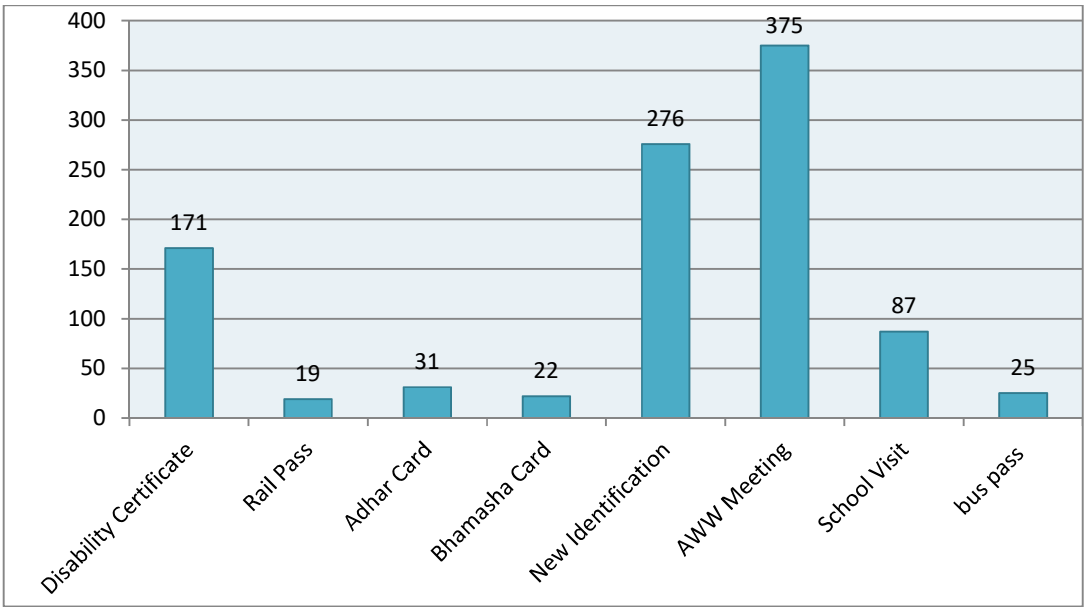

- **आवासीय देखभाल व पुनर्वास सेवाएं :** मीनू हॉस्टल में दूर –दराज क्षैत्र के बच्चों को शिक्षण, प्रशिक्षण एवं पुनर्वास की सेवाओं से नियमित जोड़ने के उद्देश्य से जनवरी 2006 से आवासीय व्यवस्था शुरू की गई वर्तमान में 22 बच्चों को सेवाएं दी जा रही है।

- उदयपुर के झाड़ोल और पलासिया ब्लॉक में राजीविका के साथ मिलकर डी.पी.जी. बनाते हुए 1000 से अधिक दिव्यांगों के आजीविका संवर्धन एवं सरकारी तथा गैर सरकारी योजनाओं से जुड़ाव के लिए कार्य किया जा रहा है।

किलबिल बाल मेला, वार्षिक उत्सव, विश्व विकलांगता दिवस, प्रवेशोत्सव, गणतन्त्र दिवस, स्वतन्त्रता दिवस केन्द्र स्थापना दिवस एवं अन्य महत्वपूर्ण त्यौंहार, पर्व व जयन्तियों, कार्यशाला, प्रशिक्षण, आदि के माध्यम से बच्चों के संर्वागीण विकास के लिए निरन्तर प्रयास किए गए।

● **शीघ्र हस्तक्षेपण कार्यक्रम**

कम उम्र में ही बच्चों की विकलांगता एवं व्यवहार समस्याओं की पहचान एवं हस्तक्षेप कर भविष्य के दुष्प्रभावों को कम करने के उद्देश्य से निम्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है।

(अ) मीनू शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र के माध्यम से 10 बालक व 10 बालिकाओं सहित कुल 20 बच्चों को फिजियोथैरेपी, स्पीचथेरैपी, साइकोथेरैपी, विशेष शिक्षा आदि सेवाएं दी जा रही है।

(ब) दिशा मीनू शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र मार्च 2017 में प्रारम्भ किया गया जिसमें 8 बालक व 2 बालिकाओं सहित कुल 6 बच्चे लाभान्वित हो रहे है।

(स) राजकीय महिला चिकित्सालय, जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं सेन्ट फ्रांसिस अस्पताल में सामुदायिक प्रेरकों व विशेषज्ञों द्वारा नियमित विजिट कर नवजात समस्याग्रस्त शिशुओं की पहचान एवं अभिभावकों को परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

सामुदायिक एवं मानसिक स्वास्थ्य
(Community and Mental Health)

- **एच.आई.वी. एड्स जागरूकता एवं बचाव कार्य**

राजस्थान एड्स कन्ट्रोल सोसायटी के सहयोग से संस्था द्वारा निम्न कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।

(अ) टी.आई. परियोजना FSWs के द्वारा 743 यौनकर्मी महिलाओं के साथ कार्य किया जाकर उनको एच.आई.वी./एड्स से बचाव एवं उपचार के लिए जागरूक करते हुए वर्ष 2016–17 में निम्न गतिविधियॉ की गई

क्र.सं.	गतिविधि विवरण	संख्या
1	यौनकर्मी महिलाओं से सम्पर्क	13148
2	यौनकर्मी महिलाओं की काउन्सलिंग	1604
3	यौनकर्मी महिलाओं की टेस्टिंग	1030
4	एच.आई.वी./वी.डी.आर.एल. संक्रमित	01
5	रेगुलर मेडिकल चेकअप	1626
6	क्लिनिक विजिट	1772
7	यौन संक्रमित महिलाओं का इलाज	55
8	वी.डी.आर.एल. जॉच	796
9	निरोध वितरण	207380
10	डी.आई.सी. एवं होट स्पोट बैठकें	133

(ब) टी.आई.परियोजना IDUs के द्वारा 583 इन्जेक्टेबल ड्रग्स यूजर्स के साथ कार्य करते हुए निम्न गतिविधियॉ पूर्ण की गई।

क्र.सं.	गतिविधि विवरण	संख्या
1	आई.डी. यूज से सम्पर्क	1320
2	आई.डी. यूज की काउन्सलिंग	1604
3	आई.डी. यूज की की टेस्टिंग	636
4	पार्टनर टेस्टिंग	111
5	एच.आई.वी. संक्रमित एवं ए.आर.टी. से लिंक	24
6	रेगुलर मेडिकल चेकअप	1451
7	क्लिनिक विजिट	1391
8	निडिल/सीरींज वितरण	223130
9	निडिल/सीरींज रिटर्न (विसंक्रमीकरण)	174850
10	वी.डी.आर.एल. जॉच	619
11	निरोध वितरण	10670
12	डी.आई.सी. एवं होट स्पोट बैठकें	132

(स) ट्रांजिट परियोजना के द्वारा प्रतिमाह लगभग 2000 प्रवासीय ों में एच.आई.वी./एड्स जागरूकता के लिए निरन्तर रेल्वे स्टेशन एवं बस स्टेण्ड पर विजिट की जा रही है। रोजगार के लिए बाहर जाने वाले लोगों को एच.आई.वी./एड्स के बारे में जागरूक कर उन्हे बचाव के उपाय समझाए जाते है। सुरक्षा के लिए निरोध एवं जानकारी से सम्बन्धित सामग्री भी उपलब्ध कराई जाती है।

• चाइल्ड लाइन 1098

चाइल्ड लाइन मुसीबत में फॅसे बच्चों की मदद के लिए 24 घण्टे राष्ट्रीय आपात कालीन फोन सेवा है।

वर्ष 2017–18 में चाइल्ड लाइन में कुल 3067 फोन कॉल प्राप्त हुए एवं 956 मामलों में हस्तक्षेप कर बच्चों की मदद की गई है।

Cases of April 2017 to March. 2018

Category	Total
Medical Help	**49**
Shelter	**196**
Protection From Abuse	**380**
Restoration	**33**
Parent Asking for Help	**33**
Did not find	**17**
Sponsorship	**3**
E S & G	**16**
Referred by another Child Line	**6**
Did not intervention	**15**
Other Intervention	**208**
Total	**956**

इसके अतिरिक्त चाइल्ड लाइन टीम ने 206 विजिट में 927 घंटे आउटरीच, 11 ओपन हाउस, नवम्बर माह में दोस्ती सप्ताह, पुष्कर मेला प्रदर्शनी, बैठकों, कार्यशालाओं, स्टेक होल्डर्स से सम्पर्क आदि गतिविधियों के माध्यम से चाइल्ड लाइन एवं बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता का वातावरण तैयार करने का किया।

- **पी.एम.ए. 2020 परियोजना**

परफोर्मेन्स मानेटरिंग अकाउन्टेबिलिटी 2020 एक बहुवर्षीय परियोजना है। इस परियोजना का कार्यान्वयन जनसंख्या एवं प्रजनन स्वास्थ्य के लिए बिल एण्ड मिलिण्डा गेट्स इन्स्टीट्यूट के द्वारा जॉन हॉपकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के राष्ट्रीय साझेदारों के साथ किया जा रहा है।

संस्था द्वारा आई.आई.एच.एम.आर. युनिवर्सिटी जयपुर के सहयोग से राजस्थान के **छः जिलों अजमेर, टोंक, जोधपुर, नागौर, पाली एवं बीकानेर के 33 क्षैत्रों में स्थानीय गणनाकर्ता द्वारा सर्वे कर मोबाइल के माध्यम से सूचनाओं का संकलन किया जा रहा है।**

वर्ष 2017–18 में परियोजना का तीसरा चरण पूर्ण किया गया एवं चौथे चरण की शुरूआत की गई। प्रत्येक चरण में 1155 घरों, लगभग 2000 महिलाओं एवं 100 से अधिक सरकारी एवं निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं का साक्षात्कार कर परिवार नियोजन एवं पानी से सम्बन्धित मानकों के आधार पर सूवनाओं का संकलन किया।

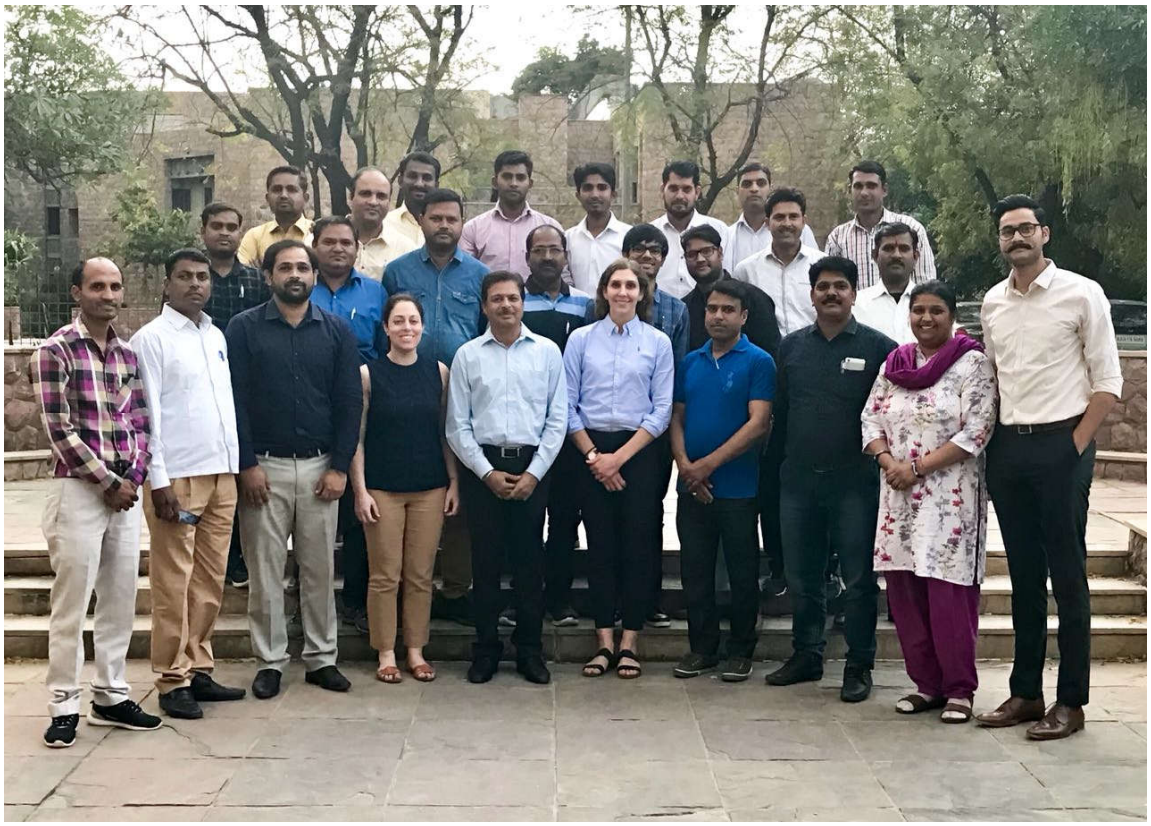

आजीविका संवर्धन एवं लघु वित्त
(Livelihood Promotion & Micro-Credit)

- **बकरी आधारित आजीविका संवर्धन कार्यक्रम**

(अ) गिव इण्डिया परियोजना के माध्यम से 20 अति गरीब परिवारों को बकरी वितरण करते हुए बकरी पालन के माध्यम से इन परिवारों की आजीविका संवर्धन व पौषण की स्थिति में सुधार का प्रयास किया गया।

(ब) रंग दे परियोजना से 149 बकरी पालकों को लिए कम ब्याज पर 3935000 रूपये का ऋण उपलब्ध कराया गया ताकि रकम के अभाव में जो परिवार बकरी पालन व्यवसाय नहीं कर पा रहे है वे ऋण प्राप्त कर उन्नत नस्ल बकरी खरीद सके या बकरी के आवास, चारे, पानी आदि का प्रबंध कर सके।

(स) रिवोल्विंग फण्ड के माध्यम से 10 बकरी पालकों को उन्नत नस्ल की बकरी खरीदने के लिए 180000 राशि का ऋण उपलब्ध कराया गया।

- **लघु वित्त कार्यक्रम**

(अ) 200 स्वयं सहायता समूहों का संचालन कर 2105 महिला सदस्यों बचत कराते हुए आपसी लेन–देन, बैंक लिंकेज, आजीविका संवर्धन गतिविधियों का प्रशिक्षण व संचालन आदि के द्वारा आर्थिक व सामाजिक उत्थान के लिए प्रयास किया जा रहा है।

समूहों में कुल बचत – 12733500
आन्तरिक ऋण – 20547325
बैंक ऋण – 35200000

(ब) लक्ष्मी कलश महिला मंच के माध्यम से समूहों व महिलाओं को संगठित कर बड़े स्तर पर बचत व ऋण वितरण के लिए कार्य किया गया है।

विवरण	2016–2017 में	2017 के अन्त तक
फेडरेशन की बचत	38017.00	350359.00
फेडरेशन से ऋण	436000.00	988414.00

(स) स्वयं सहायता समूहों, कलस्टर व फेडरेशन स्तर पर बैठकों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा व सामाजिक मुद्दों (नशा, मृत्युभोज, जातिगत भेद, लिंगभेद, घरेलु हिंसा आदि) पर जागरूकता के साथ नियमित रूप से सरकारी व गैर सरकारी लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी जाती है ताकि गरीब परिवारों की महिलाएं इनका लाभ ले सके।

- **दक्ष व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र (DAKSHA - Vocational Training Centre)**

42 वयस्क दिव्यांग छात्र–छात्राओं को व्यावसायिक कक्षाओं के माध्यम से निम्न यूनिट में वर्गीकृत करते हुए कार्य में दक्ष करने का प्रयास किया जाता है।

(अ) स्टेशनरी यूनिट के माध्यम से हेण्ड मेड पेपर से डायरी, फाइल–फोल्डर, ग्रीटींग कार्ड बनवाए गए।

(ब) वूडन यूनिट में फोटो फ्रेम, लेम्प, मोबाइल स्टेण्ड, ड्राई फ्रूट बॉक्स, पेन स्टेण्ड आदि आकर्षक उत्पाद तैयार करवाए गए।

(स) डेको यूनिट में बच्चों से वेस्ट मटेरियल का प्रयोग करते हुए सजावटी वस्तुएं व राखी बनवाने का कार्य किया गया।

मेयो कॉलेज, इन्जनियरिंग कॉलेज आदि विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं में प्रदर्शनी लगाकर बच्चों के द्वारा तैयार उत्पादों को विक्रय किया गया।

- **दक्ष एबिलिटी एम्पावर फाउण्डेशन :–** फाउण्डेशन के माध्यम से वयस्क विकलांगों को वुडन, स्टेशनरी एवं बकरी खाद उत्पाद तैयार करने का प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ा जा रहा है।

- **रोजगार परामर्श शिविरों के माध्यम से वयस्क दिव्यांगों को रोजगार से जोड़ना के लिए भी संस्था द्वारा समय–समय पर प्रयास किया जाकर दिव्यांगो को रोजगार से जोड़कर उनके आत्म विश्वास व आत्म सम्मान को बढ़ाया है।**
- **300 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से संस्था की विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराना**

मानव संसाधन विकास कार्यक्रम
(Human Resources Development)

विशेष शिक्षा में प्रशिक्षित एवं दक्ष मानव संसाधन तैयार करने की आवश्यकता की पूर्ती करने के उद्देश्य हेतु संस्था द्वारा "**सागर कॉलेज**" के माध्यम से वर्ष 2017–18 में निम्न कार्यक्रम संचालित किए गए। उपरोक्त कार्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिषद से मान्यता प्राप्त व महर्षि दयानन्द विश्व विद्यालय की सम्बद्धता से संचालित है।

(अ) स्नात्तक उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए दो वर्षीय डिग्री कोर्स (प्रति वर्ष 30 सीटें)
विशेष शिक्षा में बी.एड. : B.Ed. SE (MR & ID) : 39 अभ्यर्थी लाभान्वित

(ब) 12 वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए दो वर्षीय डिप्लोमा (प्रति वर्ष 30 सीटें)
विशेष शिक्षा में डिप्लोमा : D. Ed. SE (MR) 59 अभ्यर्थी लाभान्वित

(स) आवश्यकतानुसार अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम
सी.आर.ई. (सतत् शिक्षा पुनर्वास प्रशिक्षण) 22 से 24 नवम्बर 2017 तक संस्था मुख्यालय में आयोजित किया गया जिसमें 30 सहभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

(द) द्वितीयएलमुनॉय मीट
दिनांक 29 दिसम्बर 2017 संस्था परिसर में संस्थापक श्री सागरमल कौशिक के 85 वें जन्म दिवस पर पूर्व डिप्लोमा प्रशिक्षणार्थियों की मीटिंग का आयोजन किया गया। यह मीटींग विशेष संख्या में डिप्लोमा प्राप्त कर चुके पूर्व छात्र–छात्राओं की राजस्थान प्रदेश की द्वितीय एलमुनाय बैठक थी।

इन्टर्नशिप एवं वोलेन्टियर कार्यक्रम

वर्ष के दौरान विभिन्न शैक्षणिक व सामाजिक संस्थाओं के विद्यार्थियों व शोधार्थियों के द्वारा संस्था के कार्यक्रमों में भाग लेकर अपना अध्ययन कार्य करते हुए सामाजिक व सामुदायिक विकास कार्य को सीखा।

Sl.No	Name of the Institute
1.	University of Delhi, New Delhi
2.	Tilak Maharashtra Vidhyapeeth, Pune
3.	IGNOU, New Delhi
4.	Centre for Studies in Rural Development Institute of Social Work and Research CSRD ISWR, Ahmednagar
5.	Pandit Deen Dayal Petroleum University Gandhinagar, Gujarat
6.	Maharashtra National Law University, Mumbai
7.	St.Albert's College, Kerala
8.	Pandit Deen Dayal Petroleum University
9.	Tata Institute of Social Work, Mumbai
10.	Roda Mistry College of Social Work and Research centre Hyderabad, Telangana
11.	Asha college of special education, Satara, Maharastra
12.	Govt. College of Nursing , Ajmer
13.	Ms. Rvaris Isabella

इस वर्ष प्राप्त उपलब्धियॉ / सम्मान

- दिनांक 9 दिसम्बर 2017 को संस्था निदेशक राकेश कुमार कौशिक को विकलांग बच्चों के पुर्नवसन हेतू सर्वोत्तम कार्य करने के लिए **National Society for Equal Opportunities for the Handicapped (NASEOH)** के द्वारा सुलक्षणा राम जन्म पाण्डेय अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड मुम्बई उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश माननीया सुजाता वसन्त मनोहर के द्वारा प्रदान किया गया।

- दिनांक 11 से 16 दिसम्बर 2017 तक स्पेशल ओलम्पिक भारत में संस्था द्वारा संचालित मीनू स्कूल के छात्र फाल्गुन चौहान ने रोलर स्केटिंग रेस में स्वर्ण पदक, रजत एवं ब्रॉन्ज पदक प्राप्त किया तथा वसीउल्लाखान ने 100 मीटर रिले रेस में चौथा स्थान प्राप्त किया। अजमेर शहर में रैली निकाल कर विभिन्न अधिकारियों, समाज सेवियों एवं समुदाय के प्रतिष्ठित लोगों के द्वारा फाल्गुन एवं वसी को सम्मानित किया गया।

- वर्ष के दौरान संस्था को राष्ट्रीय स्तर पर ग्रीन अर्थ पेट्रोन फाउण्डेशन के द्वारा शोशियल अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड संस्था को ग्रामीण क्षैत्र में महिलाओं एवं गरीब परिवारों के आजीविका संवर्धन तथा एच.आई.वी. एड्स जागरूकता के लिए किए जा रहे कार्यों के लिये दिया गया।

अन्य महत्तवपर्ण गतिविधियॉ

- संस्था मुख्य कार्यकारी श्रीमती क्षमा आर. कौशिक का चयन अमेरिकन फेलौशिप के लिए हुआ। पॉच सप्ताह तक डीसी वाशिंगटन के विश्व विद्यालयों में विकलांगता के क्षैत्र में विभिन्न विषयों का गहन अध्ययन किया। भारत में 300 व्यक्तियों ने इसके लिए आवेदन किया था जिनमें से क्षमा आर. कौशिक के अतिरिक्त 6 अन्य लोगों का चयन हुआ था।
- कम वेतन धारी एवं संस्था के साथ निरन्तर कार्य करने वाले स्टाफ के बच्चों को शिक्षा में सहयोग करने के लिए पण्डित विश्वम्भर दयाल छात्रवृति योजना से स्टाफ के बच्चों को शैक्षणिक सहयोग किया गया।
- अमृत (एन्वल मीट रीट्रीट एण्ड इनहाउस ट्रेनिंग) संस्था की वार्षिक बैठक को नया स्वरूप प्रदान करते हुए ग्राविस जोधपुर में अमृत का आयोजन कर स्टाफ को नए व सकारात्मक वातावरण में

सीखने सिखाने का अवसर प्रदान किया। इस अवसर पर संस्था में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

- वर्ष में 2 बार न्यू स्टाफ ओरिएण्टेशन ट्रेनिंग के माध्यम से संस्था के साथ जुड़ने वाले नए स्टाफ के लिए तीन दिवसीय अभिमुखिकरण प्रशिक्षण का आयोजन कर क्षमता वर्धन का कार्य किया गया।
- संस्था परिसर में स्थित शिव सांई धाम में कावड़ यात्रा, पौष बड़ा महोत्सव व मन्दिर स्थापना दिवस पर भजन संध्या आदि कार्यक्रम

city भास्कर

AJMER TUESDAY, 5/12/2017

अजमेर के सेलिब्रिटीज हैं दिव्यांग बच्चे : गोयल

सूचना केंद्र में केक काटकर विश्व विकलांगता दिवस मनाया, कलक्टर ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

सिटी रिपोर्टर | अजमेर

मीनू स्कूल चाचियावास के दिव्यांग बच्चों ने सोमवार को सूचना केंद्र में कलेक्टर गौरव गोयल संग केक काटकर विश्व विकलांगता दिवस मनाया। इस अवसर पर मीनू स्कूल द्वारा 'एम्पेथी : समानुभूति एक जागरूकता' प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन कलेक्टर गोयल ने किया। संस्था सचिव एवं मुख्य कार्यकारी क्षमा आर कौशिक ने प्रदर्शनी का अवलोकन करवाते हुए बताया कि इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य इन दिव्यांग बच्चों की योग्यता और क्षमताओं को समाज के हर तबके तक पहुंचाकर लोगों में इनके प्रति समानुभूति की भावना जागृत करना है, ताकि इनकी भावनाओं और क्षमताओं को समझ सकें।

प्रदर्शनी में मीनू स्कूल के बच्चों और वयस्कों के साथ-साथ उन महान व्यक्तियों के बारे में जानकारी प्रदर्शित की गई, जिन्होंने विश्व में अपने कार्यों के माध्यम से नाम हासिल किया है। साथ ही मीनू स्कूल जिस तरह से इन बच्चों के साथ कार्य कर रहा है, उन तकनीकों जैसे साइन लैंग्वेज, असिस्टिव, सीपी चेयर, ब्रेल किट, सीबीआर किट, अडॉप्टिव डिवाइस आदि का भी प्रदर्शन किया गया। विद्यालय के व्यावसायिक प्रशिक्षण यूनिट के मास्टर ट्रेनर एवं प्रशिक्षणार्थी बच्चों द्वारा बनाए गए उत्पादों का भी प्रदर्शन किया गया।

इस मौके पर कलेक्टर ने कहा कि मीनू स्कूल इन बच्चों के लिए जो कार्य कर रहा है, वह अतुलनीय है। विद्यालय ने विश्व विकलांगता दिवस के मौके पर इन बच्चों की क्षमताओं को लोगों तक पहुंचाने का नायाब तरीका है। इस मुहीम में हम भी इन बच्चों के साथ हैं। इनके कार्यों को लोगों तक पहुंचाने के लिए अजमेर शहर में जहां-जहां पर स्क्रीन लगी हुई हैं, वहां इनके कार्यों को 15 दिन तक प्रदर्शित किया जाएगा और बताया जाएगा कि ये बच्चे अजमेर शहर की सेलिब्रिटीज हैं।

सूचना केंद्र में मीनू स्कूल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों संग केक काटते बच्चे।

बच्चों के लिए हुई प्रतियोगिताएं

इस अवसर पर विद्यालयों के बच्चों ने ड्राइंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर अपनी कल्पनाओं को पेपर में उतारा। इसमें राहुल साहू ने पहला, आयुष ने दूसरा तथा दिव्यांश चोटवानी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सीए मित्तल चैंबर अजीत अग्रवाल, जोगिंदर दुआ, नगर निगम उपायुक्त ज्योति ककवानी, डॉ. आनंद अग्रवाल, हनुमान दयाल बंसल, कर्ण सिंह, डॉ. संदीप अवस्थी, सोमरत्न आर्य, डिंपल शर्मा, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति सीडब्ल्यू सीए मीनू अग्रवाल, कीर्ति पाठक यूनाइटेड, कमल शर्मा, संत कुमार सिंह थे। परिवार सेवा संस्था तथा मयूर स्कूल, संस्कृति स्कूल, बधिर विद्यालय के बच्चों एवं अध्यापकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके अतिरिक्त लिटिल स्माइल ग्रुप राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के वॉलेंटियर ने भी सहयोग किया। कार्यक्रम के अंत में संस्था निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने अतिथियों का आभार जताया। प्रदर्शनी में अनुराग सक्सेना, पदम चौहान, भगवान सहाय शर्मा, तरुण शर्मा, रामेश्वर प्रजापत, दुष्यंत, लक्ष्मण सिंह, करुणा शर्मा, सीमा मेघवंशी, सांवरा सिंह, जय प्रकाश आदि ने सहयोग दिया।

दैनिक भास्कर

महिला कल्याण मंडल चाचियावास को मिला सोशल अचीवर्स अवार्ड

अजमेर| दिल्ली की ग्रीन अर्थ पैट्रन फाउंडेशन की ओर से राजस्थान महिला कल्याण मंडल संस्था चाचियावास को सोशल अचीवर्स अवार्ड 2017 देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान संस्था की ओर से निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने लिया। संस्था को यह सम्मान विशेष बच्चों के हितार्थ ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के आजीविका संवर्धन व एचआईवी एड्स के बचाव के लिए किए जा रहे कार्यक्रमों को लेकर दिया गया। संस्था द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए मीनू स्कूल, चाचियावास, मीनू शीघ्र हस्तक्षेपण केंद्र अजमेर, मीनू सीबीआर, संजय इन्क्लूसिव स्कूल ब्यावर, उम्मीद सेंटर पुष्कर, उड़ान सेंटर रावतभाटा, सीबीआर उदयपुर आदि केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। कौशिक ने कहा कि समस्त कार्यकर्ताओं की मेहनत और लगन से ही संस्था को यह सम्मान प्राप्त हुआ है। सम्मान समारोह में मेरठ से सांसद राजेंद्र अग्रवाल, भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव भारतेन्दु कुमार, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रोहित चहल, राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी यशवीर राघव एवं जीईपी फाउंडेशन की सचिव विनीत सिवाल मौजूद रहे।

राजस्थान केसरी

18 जुलाई, 2017, मंगलवार

महिला कल्याण मंडल को सोशल ऐचीवर्स अवार्ड

अजमेर,(विनीत लोहिया): दिल्ली की ग्रीन अर्थ पटॉन फाउंडेशन ने सामाजिक क्षेत्र में समर्पित चाचियावास स्थित राजस्थान महिला कल्याण संस्था को सोशल ऐचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया है। संस्था के निदेशक राकेश कुमार कौशिक के अनुसार यह सम्मान विशेष बच्चों के हितार्थ, ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं हेतु आजीविका संवर्द्धन एवं एचआईवी/ एड्स से बचाव के किए जा रहे कार्यक्रमों के लिए दिया गया है। उन्होंने बताया कि समारोह में देशभर की 30 संस्थाओं को अलग-अलग पुरस्कार दिए गए। समारोह में मेरठ के सांसद राजेन्द्र अग्रवाल, भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव भारतेन्दु कुमार, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रोहित चहल, राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी यशवीर राघव एवं फाउंडेशन सचिव विनीत सिवाल मौजूद रहे।

दैनिक नवज्योति

अजमेर ■ 18 जुलाई, 2017 ■ मंगलवार

राजस्थान महिला कल्याण संस्था सम्मानित

अजमेर। चाचियावास की राजस्थान महिला कल्याण संस्था को जी.आई.पी. फाउंडेशन द्वारा सोशल एचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया। जिसे संस्था के निदेशक राकेश कौशिक ने ग्रहण किया। संस्था को यह सम्मान विशेष बच्चों के हितार्थ, ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं हेतु आजीविका संवर्धन एवं एच.आई.वी. एड्स के बचाव हेतु किए जा रहे कार्यक्रमों हेतु दिया गया। दिल्ली की ग्रीन अर्थ पटॉन, फाउंडेशन द्वारा देश में समाजसेवा के क्षेत्र में कार्यरत 30 संस्थाओं एवं व्यक्तियों को सम्मान के लिए चुना गया था।

विश्व दिव्यांग दिवस विशेष : मन की चाह व कुछ कर दिखाने की राह से हारी दिव्यांगता

...कमजोर न समझें, इनके हौसले आसमान पर

एक्सक्लूसिव

चाह ने दिखाई राह

मां बाप के सपने को कर दिखाया सच

स्केटिंग में माहिर

चित्रकला प्रतियोगिता

मन की चाह व राह से हारी दिव्यांगता

लोकल सेलेब्रेट्रीज हैं विशेष बच्चे

पत्रिका Tue, 05 December 2017

महिला कल्याण मंडल चाचियावास को अवार्ड

अजमेर, बुधवार 13 दिसंबर, 2017 | 6

अजमेर|नेशनल सोसाइटी फॉर इनक्लूसिव अपॉरच्युनिटी फॉर द हैंडीकेप्ड इंडिया, मुंबई द्वारा राजस्थान महिला कल्याण मंडल संस्था चाचियावास को विकलांग पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सुलक्षणा रामजानम पांडे नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड बॉम्बे हाईकोर्ट की पूर्व चीफ जस्टिस एवं रिटायर्ड जज ऑफ सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया जस्टिस सुजाता बसंत मनोहर द्वारा संस्था के निदेशक राकेश कुमार कौशिक को शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में दिया गया। कौशिक ने बताया कि देशभर की विकलांगता क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं में से ज्यूरी द्वारा संस्था को अवार्ड के लिए चयन किया जाना गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि विकलांगता क्षेत्र के अलग-अलग मुद्दों पर कार्यरत कुल 13 व्यक्तियों और संस्थाओं को इस कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। इस अवार्ड को उन्होंने संस्था में कार्यरत स्टाफ की मेहनत का नतीजा बताया। वर्तमान में मीनू स्कूल चाचियावास, संजय इन्क्लूसिव स्कूल ब्यावर, मीनू शीघ्र हस्तक्षेपण केंद्र, समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम, उड़ान डे-केयर सेंटर रावतभाटा, उम्मीद पुष्कर, स्पर्श सेंटर अजमेर एवं सीबीआर उदयपुर के माध्यम से लगभग 1200 से अधिक विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को सेवाएं दी जा रही हैं।